Baba’s Praise

8/3/2015

- ब्रह्मलोक के निवासी बाप विशेष रूप से ज्ञान-सूर्य की लाईट और माइट की किरणें विशेष बच्चों को वरदान रूप में देते हैं इसलिए इस समय को 'ब्रह्म मुहूर्त' समय कहते हैं ।

- जैसे कल्प पहले के यादगार शास्त्रों में वर्णन है कि स्वयं बाप ने द्रोपदी के पाँव दबायें, तो बाप समान उपकारी बच्चे बन सर्व आत्माओं की थकावट मिटाओ ।

- टीचर्स अर्थात् शिक्षक । बाप भी शिक्षक के रूप से पार्ट बजाते हैं । तो शिक्षक बाप समान मास्टर वर्ल्ड शिक्षक हुए । जैसे बाप विश्व का शिक्षक हैं, सिर्फ भारत को नहीं है या सिर्फ फारेन का नहीं, पूरे विश्व का है । ऐसे मास्टर शिक्षक अर्थात् बेहद के शिक्षक ।

- जैसे बाप सदा स्वमान में स्थित हैं इसी प्रकार समान आत्मायें भी स्वमान में होंगी । नीचे नहीं आयेंगी ।

- आप सर्व वरदानी आत्माओं की स्वयं की स्थिति भी, बाप की विशेष वरदानों की छत्रछाया के कारण, बाप के समान सम्पन्न और दातापन की होती है ।